लिए हैं। जिन सरकारी कर्मचारियों को सामान्य पूल से वास आवंटित किया गया था तथा जिनकी सेवाकाल के दौरान मृत्यु हो जाती है, उनकी विधवाओं को तदर्थ आवंटन किये जाते हैं यदि वे अन्य प्रकार से पात्र हों। जो रक्षा कर्मचारी पाकिस्तान के पिछले आक्रमण में वीरगति को प्राप्त हुए थे उनकी विधवाओं को आवंटन करने के लिए सामान्य पूल से भी कुछ रिहायशी मकान रक्षा मन्त्रालय को सौंपे गए हैं।

(ख) सरकारी कर्मचारियों की गम्भीर बीमारी के मामलों में उनकी कठिनाई को कम करने के लिए कभी-कभी तदर्थ आवंटन किए जाते हैं।

(ग) एक स्वर्गवासी सरकारी कर्मचारी की विधवा के एक आवेदन पत्र का तथा बीमार सरकारी कर्मचारियों के 27 आवेदन पत्रों का निपटान अभी किया जाना है।

31 मार्च, 1973 से पूर्व गल्ले की खरीद आरम्भ करने वाले राज्य तथा उन पर किया गया व्यय

7832. **श्री शंकर दयाल सिंह** : क्या **कृषि** मन्त्री यह बताने की कृपा करेंगे कि 31 मार्च, 1973 तक किन-किन राज्य ने गल्ले की खरीद शुरू कर दी थी और किन-किन राज्यों ने उस तिथि तक अपने अधीन कितना अन्नभण्डार जमा कर लिया था और उस मद में उन राज्यों ने कितना धन व्यय किया था?

कृषि मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री अण्णासाहिब पी० शिन्दे) : हालांकि रबी की अधिप्राप्ति अप्रैल में शुरू होती है फिर भी कुछ राज्यों में गेहूं की फसल की कटाई पहले ही शुरू हो जाती है। 31-3-1973 से पूर्व राज्य सरकारों द्वारा अधिप्राप्त गेहूं की कुल मात्रा इस प्रकार है:—

(मी० टन में)

मध्य प्रदेश .	1000
महाराष्ट्र . .	445

अनुमान है कि अधिप्राप्त की गई मात्रा पर कुल खर्च मध्य प्रदेश में लगभग 8-1/2 लाख रुपये और महाराष्ट्र में लगभग 4 लाख रुपये होगा।

गेहूं की नई फसल के बाजार में आने से गेहूं के मूल्यों में उतार-चढ़ाव

7833. **श्री शंकर दयाल सिंह** : क्या **कृषि** मन्त्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) गेहूं की नयी फसल के बाजार में आने से एक महीने के अन्दर गेहूं के भावों में कितना उतार-चढ़ाव हुआ है; और

(ख) पिछले वर्ष की अपेक्षा इस वर्ष गेहूं के उत्पादन में कितनी वृद्धि हुई है?

कृषि मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री अण्णासाहिब पी० शिन्दे) : (क) मण्डियों में गेहूं की आमद शुरू होने से कुछ राज्यों में पिछले एक महीने में मूल्यों में गिरावट आई है। हरियाणा में यह गिरावट 4 रुपये से 26 रुपये प्रति क्विंटल और पंजाब में 7 रुपये से 19 रुपये प्रति क्विंटल और दिल्ली में 3 रुपए प्रति क्विंटल तथा हिमाचल प्रदेश में 23 रुपये प्रति क्विंटल है।

(ख) गेहूं समेत खाद्यान्नों की पैदावार के 1972–73 के पक्के अनुमान चालू कृषि वर्ष की समाप्ति के बाद अर्थात् जुलाई-अगस्त 1973 में उपलब्ध होंगे। मौजूदा संकेतों के अनुसार, गेहूं की पैदावार में वृद्धि होने की आशा है।